वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 38 रविवार 2 जून 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

एग्जिट पोल्स में तीसरी बार "मोदी सरकार"

542 सीटों के 13 पोल में एनडीए को 365, 'इंडिया' को 145 सीटें; ओडिशा-तेलंगाना में भाजपा को दोगुनी सीटें

नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के नतीजे से पहले एग्जिट पोल्स में पीएम मोदी तीसरी बार हैट्रिक लगाते नजर आ रहे हैं। एक पोल में तो एनडीए 400 के पार तक पहुंच रही है। 13 एग्जिट पोल के पोल ऑफ पोल्स में एनडीए को 365 और 'इंडिया' को 145 सीटों का अनुमान है। अन्य को 32 सीटें मिल सकती हैं। इस बार भाजपा 2019 में मिली 303 सीटों का आंकड़ा पार कर सकती है। हिंदी पट्टी के राज्य उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली में भाजपा को एकतरफा बढ़त का अनुमान बताया गया है। इन राज्यों की 90% से ज्यादा सीटों पर भाजपा की जीत तय मानी जा रही है। एमपी की 29 सीटों में से भाजपा को 28 से 29 और वहीं राजस्थान में 25 सीटों में से 23 से 25 सीटें मिलने का अनुमान है। पोल के मुताबिक बिहार, झारखंड, राजस्थान और महाराष्ट्र में एनडीए को 29 सीटों का नुकसान संभव है। बंगाल में उलटफेर होता दिख रहा है। यहां भाजपा कुल 42 सीटों में से 26 से 31 सीटें मिलने के आसार हैं। ओडिशा, तेलंगाना में भाजपा दोगुनी सीटें बढ़ा सकती हैं।

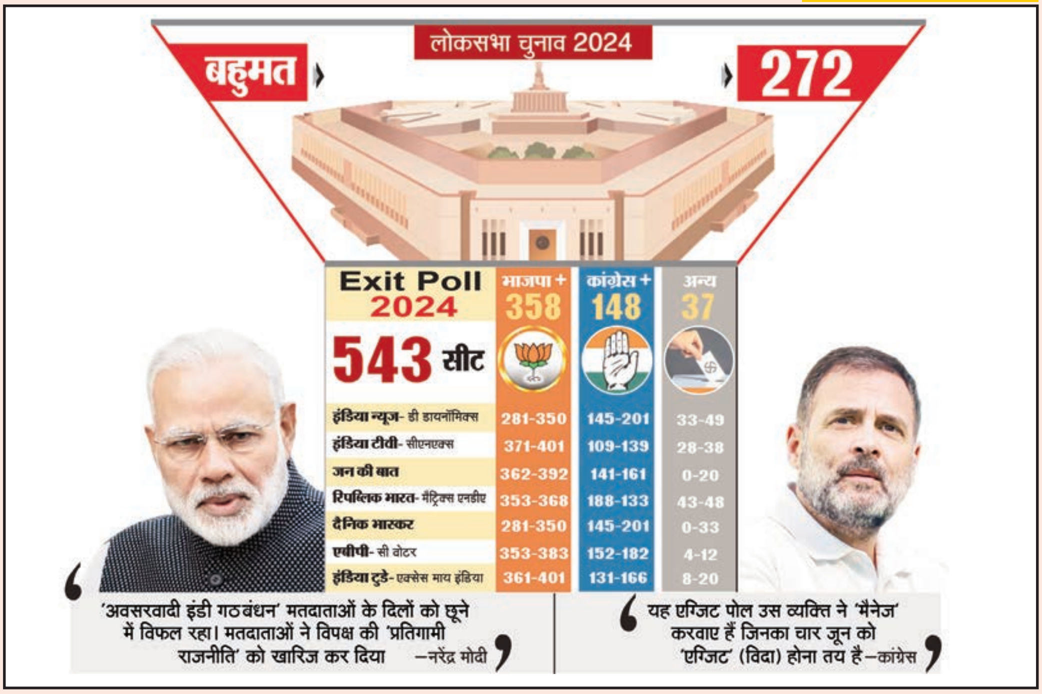

	भाजपा + 358	कांग्रेस + 148	अन्य 37
इंडिया न्यूज- डी डायनॉमिक्स	281-350	145-201	33-49
इंडिया टीवी- सीएनएक्स	371-401	109-139	28-38
जन की बात	362-392	141-161	0-20
रिपब्लिक भारत- मैट्रिक्स एनडीए	353-368	188-133	43-48
दैनिक भास्कर	281-350	145-201	0-33
एबीपी- सी वोटर	353-383	152-182	4-12
इंडिया टुडे- एक्सेस माय इंडिया	361-401	131-166	8-20

'अवसरवादी इंडी गठबंधन' मतदाताओं के दिलों को छूने में विफल रहा। मतदाताओं ने विपक्ष की 'प्रतिगामी राजनीति' को खारिज कर दिया —नरेंद्र मोदी

यह एग्जिट पोल उस व्यक्ति ने 'मैनेज' करवाए हैं जिनका चार जून को 'एग्जिट' (विदा) होना तय है—कांग्रेस

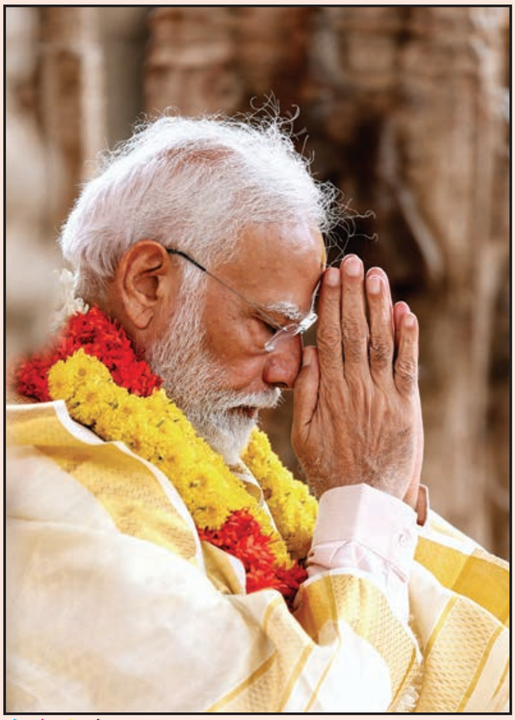

लगातार तीसरी बार पीएम बनने वाले देश के दूसरे नेता बन सकते हैं नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा 370 और एनडीए 400 पार का नारा दिया था, तो उस समय इस लक्ष्य को लेकर कई तरह के सवाल उठाए जा रहे थे। लेकिन एग्जिट पोल के आंकड़े अगर चार जून को सही साबित हुए, तो एक बार फिर से यह सिद्ध हो जाएगा कि नरेंद्र मोदी बतौर नेता देश की जनता के नब्ज और राजनीतिक मिजाज को अच्छी तरह समझते हैं। कई एग्जिट पोल ने एनडीए गठबंधन को 400 या इससे भी अधिक सीटें मिलने का दावा किया है। वहीं जो एग्जिट पोल एनडीए गठबंधन को 400 से नीचे दिखा रहे हैं, वे भी प्रचंड बहुमत के साथ एक बार फिर से एनडीए सरकार बनने का दावा कर रहे हैं। अगर एग्जिट पोल के ये अनुमान 4 जून की मतगणना में सही साबित हुए, तो नरेंद्र मोदी, जवाहरलाल नेहरू के बाद लगातार तीसरी बार चुनाव जीत कर प्रधानमंत्री बनने वाले देश के दूसरे नेता बन जाएंगे। न्यूज-24 टुडेज चाणक्य ने अपने एग्जिट पोल में एनडीए गठबंधन को 400 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। वहीं इंडिया टीवी-सीएनएक्स एग्जिट पोल के अनुमान के मुताबिक एनडीए गठबंधन के खाते में 371 से 401 सीटें आ सकती हैं। इंडिया टुडे-एक्सिस माई इंडिया ने भी एनडीए गठबंधन को 361 से 401 सीटें मिलने का अनुमान जताया है। एबीपी- सी वोटर्स के एग्जिट पोल में एनडीए गठबंधन को 353 से 383 सीटें मिलने का दावा किया गया है। टाइम्स नाउ-ईटीजी के एग्जिट पोल में एनडीए को 358 सीटें मिलने की बात कही गई है। रिपब्लिक भारत मैट्राइज ने अपने एग्जिट पोल में एनडीए गठबंधन को 353 से 368 सीटें मिलने का दावा किया है। वहीं इंडिया न्यूज डी डायनामिक्स एनडीए गठबंधन को 371 सीटें दे रहा है। रिपब्लिक टीवी पी मार्क ने अपने एग्जिट पोल में एनडीए गठबंधन को 359 सीटें मिलने का दावा किया है। कई अन्य टीवी चैनल और सर्वे एजेंसी भी भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए गठबंधन की बड़ी जीत का दावा कर रहे हैं।

आठ दिवसीय श्रवण संस्कृति शिक्षण शिविर का आयोजन

रेणु पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। सर्वोदय कॉलोनी शांतिनाथ जिनालय में आठ दिवसीय श्रवण संस्कृति शिक्षण शिविर लगाया जा रहा है रेनू पाटनी ने बताया पंडित आराध्यशास्त्री पंडित अतिशय शास्त्री के द्वारा अभिषेक पूजा विधि , जीवन जीने की कला भगवान की महिमा, का गुणगान कैसे प्राप्त करें छह ढालाके माध्यम से अवगत कराया संयोजक वीरेंद्र पाटनी मधु जैन ने बताया कि रोज समाज के प्रति निधी द्वारा, चित्र अनावरण दीप प्रज्वल कराया जा रहा है और मंत्री विनम्र गदिया ने बताया कि बच्चों को अल्पहार इंदिरा कमल का सलीवाल अतुल मधु पाटनी वीरेंद्र संगीता पाटनी अमित संगीता गंगवाल दीपक प्रिया पाटनी मंजु छाबड़ा वीना पाटोदी द्वारा कराया जा रहा है समाज के सभी लोग बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

विजेता खिलाड़ियों का सम्मान समारोह

नीमकाथाना. शाबाश इंडिया। 29वीं सब जूनियर नेशनल थ्रोबॉल चैंपियनशिप में राजस्थान के 12 साल बाद काँस्य पदक प्राप्त हुआ जिसकी खुशी प्रदेश के हर कोने में है. इस अवसर पर राजस्थान टीम जब शनिवार को पदक जीतने के बाद प्रथम बार पंजाब से राजस्थान आई तो नीमकाथाना रेलवे स्टेशन पर नीमकाथाना के आम जन द्वारा सभी खिलाड़ियों और उनके कोच का भव्य स्वागत किया गया. राजस्थान टीम के कोच हेमेश सैन पूरानाबास, राहुल सेन और मैनेजर किशोर व खिलाडी पायल, पलक, प्रिया यादव, दिव्यांशी, प्रियांशी, जिया, कंचन, मुस्कान तथा अंशुल, नवीन, मानव, प्रशांत, ओम, सुमित, छोटू सिंह,अक्षय सिंह पूरी टीम का सम्मान समारोह शहर के स्काई होटल में रखा गया जहाँ पर प्रदेश के कोने-कोने से पधारे हुए खिलाड़ियों का सम्मान पुष्प माला पहना कर व प्रतीक चिन्ह प्रदान किया गया. इस अवसर पर भाजपा नेता प्रमोद बजोर और सरस्वती एजुकेशन ग्रुप के प्रिंसिपल वरुण प्रताप सिंह नीमकाथाना, राजस्थान थ्रोबॉल संघ के संयुक्त सचिव अजय सिंह शेखावत सदस्य कुशल पाल संतोष ट्रॉफी खेले हुए आशीष मीणा नीमकाथाना सी आई हरि नारायण थ्रोबाल के राष्ट्रीय खिलाड़ी साहिल सैनी तथा केसरी सिंह, हरिप्रसाद मीणा राजस्थान स्पोर्टस इंस्टीट्यूट से सुनिल सैनी स्वागत समारोह में मौजूद रहे।

भगवान शान्ति नाथ स्वामी की होगी महाशान्ति धारा

पांच जून को निर्वाण कल्याणक पर लाडू समर्पित किया जायेगा, शान्तिनाथ स्वामी से चली आ रही है धर्म की अक्षुण्ण परम्परा : विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। मध्य भारत के सबसे बड़े तीर्थ अतिशय क्षेत्र दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में एक हजार वर्ष पुरानी श्रेष्ठी पड़ाशाह दारा प्रतिष्ठापित भगवान श्री शान्तिनाथ स्वामी की विशाल प्रतिमा पर पांच जून को भगवान के निर्वाण कल्याणक महोत्सव के शुभ अवसर पर एक सौ आठ रिद्धि मंत्रों से महा अभिषेक के साथ ही ब्रहदमंत्रो से जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा के साथ ही निर्वाण लाडू समर्पित किया जायेगा ।

आज भी तीर्थ का स्वरूप है इसके मूल में पड़ा शाह है: इससे पहले मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आज जो हम हरे भरे उद्यान के रूप में विशाल गगन चुंबी प्रतिमाओं से सुसोभित जिन प्रतिमाओं के साथ विशाल तीर्थ को देख रहे हैं इसकी परिकल्पना एक हजार वर्ष पूर्व सुप्रसिद्ध रांगा व्यापारी पाड़ांशाह जी ने की थी जव यहां घनघोर जंगल था चारों जंगली जानवर विचार करते थे तव एक शान्ति के की परि कल्पना को पाड़ाशाहजी ने साकार रूप दिया जहां आज हम बैठकर शांति से धर्म ध्यान कर रहे हैं ऐसे इस तीर्थ के मूल नायक भगवान श्री शान्तिनाथ स्वामी का हम सब पांच जून को निर्वाण कल्याणक मनाने जा रहे हैं।

पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी होगा समारोह: इस दौरान कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघई ने कहा कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी देवाधिदेव भगवान श्री शान्तिनाथ स्वामी का महा मस्तिष्काभिषेक के साथ ही एक सौ आठ रिद्धि मंत्रों से अभिषेक किया जायेगा इसके साथ ही भगवान की महा आराधना वुधवार मंडल के संयोजक उमेश सिघई के निर्देशन में भक्तों द्वारा की जायेगी इसके पहले आज दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी के खड़े बाबा भगवान श्री आदिनाथ स्वामी का अभिषेक के साथ ही जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा की गई जिसका सौभाग्य शनिचरा परिवार पिपरई के साथ ही कमेटी के मंत्री रानी जैन परम संरक्षण शैलेन्द्र दददा संजय जैन पिपरई संजय जैन अशोक नगर सहित अन्य भक्तों को मिला जिनका सम्मान थूवोनजी कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघई प्रचार मंत्री विजय धुर्रा संयोजक शैलेन्द्र दददा दारा माला स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया।

नौतपा की प्रचण्डता से त्रस्त हजारों भीलवाड़ावासियों के तर हुए कंठ, पिलाई गई शीतल छाछ

श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर परिसर के बाहर भक्तों के सहयोग से छाछ वितरण

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जेठ माह में नौतपा की प्रचण्ड गर्मी से त्रस्त भीलवाड़ावासियों को शीतलता प्रदान करने की भावना से शनिवार को गोलप्याउ के पास स्थित श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर की ओर से मंदिर परिसर के बाहर हजारों लोगों को निःशुल्क शीतल छाछ पिलाई गई। मंदिर के महन्त बाबूगिरीजी महाराज की प्रेरणा से उनके सानिध्य में हनुमानजी महाराज के भक्तों के सहयोग से सुबह 9 बजे से छाछ का वितरण शुरू हुआ। आयोजन की शुरूआत जय श्रीराम एवं संकटमोचन हनुमानजी महाराज के जयकारों की गूंज के बीच महन्त बाबूगिरीजी महाराज ने राहगीरों को छाछ पिलाकर कर की। क्षेत्र से गुजर रहे हजारों लोगों ने वहां पहुंच शीतल छाछ को पीकर गर्मी से राहत की अनुभूति की। लोगों ने गर्मी से राहत प्रदान करने के प्रयासों के तहत इस तरह की पहल को सराहनीय बताया। श्री रामकथा सेवा समिति के अध्यक्ष गजानन्द बजाज ने बताया कि छाछ वितरण के लिए सरस डेयरी से पांच हजार लीटर छाछ का टेंकर मंगाया गया था। इसके माध्यम से दस हजार से अधिक लोगों को शीतल छाछ पिलाई गई। हजारों भक्तों को छाछ पिलाने के लिए मंदिर परिसर के बाहर छाया का भी विशेष प्रबंध किया गया था। आयोजन को सफल बनाने ओर लोगों को छाछ पिलाने के कार्य

में मंदिर ट्रस्ट के महावीर अग्रवाल, रमेश बंसल, सांवरमल बंसल, श्री राम कथा सेवा समिति के पीयूष डाड, पूर्व सभापति मंजू पोखरना, मधु जाजू, कन्हैयालाल स्वर्णकार, डॉ.उमाशंकर पुरोहित, मनोज गोटेवाला, प्रकाश पोरवाल, महावीर समदानी,मुकेश मनिहारी, योगेश माहेश्वरी, प्रवीण माहेश्वरी, विमल डागा, पिंकेश पुरी, रेखा परिहार, विक्रम सोनी, राजेश कुदाल, कन्हैयालाल शर्मा, भानुप्रताप, अभिषेक शर्मा आदि ने सहयोग प्रदान किया।

प्रथम जयपुर ओपन क्लासिकल फीडे रेटिंग शतरंज प्रतियोगिता

जयपुर. शाबाश इंडिया। अमर पैलेस होटल जयपुर में चल रही प्रथम जयपुर ओपन क्लासिकल फीडे रेटिंग शतरंज प्रतियोगिता में आज चेस पेरेंट्स एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष राजेंद्र अरोड़ा ने बताया कि चेस फ्रेटरनिटी राजस्थान जो कि आज हमारे बीच में नहीं रहे उन दिवंगत आत्माओं को 2 मिनट का मोन रख कर श्रद्धांजलि दी एवं उनका चेस में योगदान की सराहना की। अध्यक्ष अमित गुप्ता ने बताया कि आज डॉ मेघेंद्र शर्मा संगठन सचिव विज्ञान भारती राजस्थान चेस अपनी पूरी टीम के साथ आए और 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर सभी पेरेंट्स को, खिलाड़ियों को एवं एसोसिएशन के सभी पदाधिकारीयों को 10-10 पौधे लगाने की शपथ दिलाई। पर्यावरण के बारे में बताया और पेड़ पौधों का महत्व समझाया 5 जून 2024 को परिष्कार कॉलेज मानसरोवर जयपुर में जो नेशनल कांफ्रेंस होने जा रही है उसमें सभी खिलाड़ियों सभी पेरेंट्स को एम सभी पदाधिकारीयों को इनवाइट किया है। सचिव ललित बरडीया ने बताया कि कल दोपहर 2:00 बजे से प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन सेरेमनी रखी जाएगी। **-जिनेश कुमार जैन मीडिया प्रभारी चेस पेरेंट्स एसोसिएशन राजस्थान**

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परिणाम में बेहतर परिणाम प्राप्त कर विद्यालय और समाज का बढ़ाया गौरव

सीकर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन विद्यालय सोसायटी द्वारा संचालित ''वर्धमान विद्या विहार स्कूल'' की छात्रा ईशिका जैन सुपुत्री विवेक - कविता पाटोदी ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में 98.17 अंक अर्जित कर विद्यालय और समाज का नाम रोशन किया है । ईशिका के पिता विवेक कुमार पाटोदी सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में अपनी विशेष पहचान रखते हैं। ईशिका ने बताया कि पढ़ाई की तैयारी के लिए उसने कभी भी कोचिंग या ट्यूशन ज्वाइन नही की । स्कूल में शिक्षकों द्वारा करवाई जाने वाली तैयारियों के अलावा नियमित घर पर 2- 3 घंटे पढ़ाई करना और माइंड फ्रेश करने हेतु म्यूजिक सुन लेना उसकी आदत में है । पढ़ाई संबंधी किसी भी प्रॉब्लम के सॉल्यूशन के लिए वह ऑनलाइन यूट्यूब व अन्य सोर्सेज पर अपलोड किए कोर्सेज के वीडियो की मदद ले लेती है । ईशिका की इस उपलब्धि का क्रेडिट वो अपने टीचर्स के साथ परिवारजनों को देती है , क्योंकि उन्होंने उसका आत्म विश्वास निरंतर बढ़ाया और कभी भी बेहतर परिणाम हेतु किसी अन्य से उसकी तुलना नहीं की। वर्धमान विद्या विहार में ही जैन समाज से जुड़े बच्चों में अंशिका जैन ने 96.33%, नव्या जैन ने 95%, कृतिका जैन ने 93% , दिव्यांशी जैन ने 92.33% , प्रियांशी जैन ने 88.33%, लोकेश जैन ने 86% , हर्षिता जैन ने 84% , चाहत जैन ने 83.33%, ऋषि सेठी ने 80.50% अंक अर्जित किए।

वेद ज्ञान

जरूरी है मन पर नियंत्रण

संसार रूपी वृक्ष का मूल मन है। 'गीता' में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है कि इंद्रियों में मन मैं ही हूं। एक उपनिषद में भी कहा गया है कि संसार के समस्त प्राणी मन से ही उत्पन्न होते हैं। मन से ही जीवन जीते हैं और अंत में मन में ही विलीन हो जाते हैं। मन में ऊर्जा का असीम भंडार छिपा है, लेकिन इस ऊर्जा भंडार का आप सदुपयोग तभी कर सकते हैं जब आपका मन सकारात्मक विचारों से लबरेज हो। आप के मन में सभी के प्रति प्रेम और मैत्री भाव हो, करुणा और परोपकार का भाव हो, ईमानदारी का जज्बा हो। ईर्ष्या, क्रोध, हिंसा, नफरत आदि नकारात्मक विचारों से आप दूर रहें। इसी स्थिति में आप मन में निहित असीम ऊर्जा का उपयोग कर सकते हैं। मन विलक्षण शक्तिपुंज है। संपूर्ण शरीर और इंद्रियों पर इसका आधिपत्य है। शास्त्रकारों ने मन को मनुष्य के बंधन और मोक्ष का कारण बताया है। बलवान मन अत्यधिक चंचल है और कठिनाई से वश में होता है। यह स्वेच्छाचारी है, जबकि मनुष्य मर्यादाओं, वर्जनाओं और दायित्व-बोध जैसे बंधनों से बंधा हुआ है। प्रायः हम लौकिक सुख पाने को लालायित रहते हैं। मन की भागदौड़ का यही कारण है। अपनी कल्पना शक्ति के बल पर मन रंग-बिरंगी योजनाएं बनाकर और उन्हें पूरी करने का ताना-बाना बुनकर सदा उड़ान भरा करता है और अक्सर अनेक मृग-तृष्णाओं में मनुष्य को भटकाता हुआ जीवन को कष्टप्रद बना देता है। इस प्रकार निरंकुश मन विषतुल्य है, जबकि वश में किया हुआ मन अमृततुल्य। मन में नश्वर संसार के प्रति जो प्रियता और आसक्ति है, वही अनर्थ का कारण है। ऋग्वेद कहता है, हे मनुष्य! यदि तू मन को स्थिर करने में समर्थ हो जाए तो तू स्वयं ही समस्त बाधाओं और संकटों पर विजय पा सकता है। प्रयासपूर्वक मन को पकड़ कर बैठाने पर वह मेढक की तरह उछल कर भागता है। मन वश में होता है सतत अभ्यास और वैराग्य के भाव से। अभ्यास से आशय चित्तवृत्तियों के निरोध से है और 'वैराग्य' का आशय नाशवान जगत के प्रलोभनों से दूर रहने से है। जीवन का उद्देश्य संसार के नश्वर भोग नहीं, अपितु अविनाशी प्रभु की प्राप्ति है। आस्था और विश्वास के अभाव में मन का भक्तिपथ पर टिकना कठिन है।

संपादकीय

क्या अब पीड़ितों को मिल सकेगा इंसाफ?

यौन उत्पीड़न मामले में आखिरकार प्रज्वल रेवन्ना को गिरफ्तार कर लिया गया है। जर्मनी से लौटते ही उन्हें बंगलुरु हवाई अड्डे पर विशेष जांच दल ने गिरफ्तार कर लिया। उन्हें छह दिन की हिरासत में भेज दिया गया है। पिछले महीने जब प्रज्वल के करीब तीन हजार महिलाओं के यौन उत्पीड़न की तस्वीरें सार्वजनिक होने लगी थीं, तब वे चुपके से जर्मनी भाग गए थे। तब राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए विशेष दल का गठन किया था। फिर उनके प्रत्यर्पण का दबाव बनना शुरू हो गया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर प्रज्वल का राजनयिक वीजा रद्द करने की गुहार लगाई थी। विशेष जांच दल ने उनके खिलाफ ब्लू कार्नर नोटिस जारी किया। इस मामले को लेकर राजनीतिक सरगर्मी काफी बढ़ गई। तब प्रज्वल ने एक वीडियो जारी कर कहा कि वे इकतीस मई को पुलिस के सामने समर्पण करेंगे। इस मामले में प्रज्वल के पिता और जेडीएस से विधायक एचडी रेवन्ना भी आरोपी हैं। उन पर भी यौन उत्पीड़न के आरोप हैं। उन्हें पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। चूंकि प्रज्वल ने भाजपा के साथ मिल कर इस बार लोकसभा का चुनाव लड़ा है, इसलिए उनके ऊपर लगे आरोपों की आंच उस तक भी पहुंची है। यह अब तक के यौन उत्पीड़न का सबसे बड़ा और वीभत्स प्रकरण है। आरोप है कि प्रज्वल रेवन्ना ने करीब तीन हजार महिलाओं का बलात्कार, यौन शोषण और उत्पीड़न किया और उनकी तस्वीरें भी उतारीं, जिनके जरिए उन्हें डरा-धमका कर अपना मुंह बंद रखने को मजबूर किया गया। उनमें घर की नौकरानी से लेकर दफ्तर में काम करने वाली, पार्टी कार्यकर्ता आदि महिलाएं शामिल हैं। उनमें उम्र का भी ध्यान नहीं रखा गया। कुछ ऐसी महिलाओं के उदाहरण भी हैं, जिनके बेटे के सामने उनका बलात्कार किया गया। चूंकि प्रज्वल खुद सांसद हैं और उनके पिता विधायक, फिर इन दोनों की एक दबंग छवि है, इसलिए महिलाओं ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की हिम्मत नहीं जुटाई। मगर जब प्रज्वल द्वारा उतारी तस्वीरों की फाइल किसी तरह बाहर आई और लोगों में फैलाई जाने लगी, तो कुछ महिलाएं हिम्मत जुटाकर सामने आईं और शिकायत दर्ज कराई। ऐसे में अब लोगों की नजरें विशेष जांच दल की कार्रवाइयों और अदालत के फैसले पर टिकी हुई हैं कि पीड़ित महिलाओं को कितना इंसाफ मिल पाता है। यौन उत्पीड़न और बलात्कार के मामलों में दोष सिद्धि और सजा की दर बहुत कम है। ऐसे मामलों में अगर रसूखदार लोग शामिल हों, तो पीड़िता को इंसाफ मिलने की उम्मीद धूमिल ही रहती है। ऐसे में प्रज्वल रेवन्ना और उनके पिता पर लगे आरोपों की कितनी निष्पक्ष और प्रभावी जांच हो पाएगी, यह देखने की बात है। जिन महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ या लंबे समय तक जो यौन उत्पीड़न सहती रहीं, उनमें से अब भी बहुत सारी समाज और परिवार के भय से मुंह खोलने से बचती देखी जा रही हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

भारतीय सोना

भारत भूमि पर भारतीय रिजर्व बैंक के खजाने में 100 टन से कुछ ज्यादा स्वर्ण का शामिल होना सुखद और गौरवान्वित करने वाली खबर है। यह सोना भारत का ही है और भारतीय रिजर्व बैंक इस सोने को स्वदेश लाकर अपने विभिन्न खजानों में सुरक्षित कर लेगा। जब सोने के स्वदेश लाए जाने की सूचना है, तब साल 1991 की याद स्वाभाविक है, जब मजबूरी में देश को अपना सोना विदेश भेजना पड़ा था। तब कर्ज का जाल भारी हो गया था, लेकिन आज भारत की अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन कर रही है और कर्ज चुकाना अब समस्या नहीं है। ऐसे में, इतने बड़े पैमाने पर विदेश से सोना लाने की प्रशंसा ही की जा सकती है। मार्च के अंत तक रिजर्वबैंक के पास 822.1 टन सोना था, जिसमें से 413.8 टन विदेश में था। वास्तव में, अपना सोना किसी अन्य देश में रखने को बहुत अच्छा नहीं माना जाता है। रिजर्व बैंक शायद संदेश देना चाहता है कि भारत अब शक्तिशाली है और वह अपने सोने की हिफाजत खुद कर सकता है। भारत का ज्यादातर सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड के पास सुरक्षित है और कुछ सोना विदेश में रखना रणनीतिक रूप से ठीक फैसला है। एक खास बात यह भी है कि भारत चालू वित्त वर्ष में ऐसे चंद देशों में शुमार है, जिन्होंने सोना खरीदा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने कुछ ही महीनों में 27.5 टन सोना खरीदकर अपने स्वर्ण भंडार में जमा किया है। विगत कुछ वर्षों में भारत ने अपनी सुधरती आर्थिक स्थिति और जरूरत के अनुरूप जो सोना खरीदा है, उसका ज्यादातर हिस्सा विदेश में ही रखा गया है। आर्थिक विशेषज्ञ भी यह मानते हैं कि अनुपात से अधिक सोना विदेश में रखना कोई अच्छा फैसला नहीं है। ध्यान देने की बात है कि साल 1991 में जब भारत पर आर्थिक संकट आया था, तब विदेशी बैंक गिरवी रखे जा रहे भारतीय सोने को भारत में ही रहने दे सकते थे, पर तब शायद भारतीय अर्थव्यवस्था से दुनिया के ज्यादातर देशों को विश्वास कुछ डिग गया था। आज अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर हम ब्रिटेन से आगे निकल गए हैं, तो हमें अपनी नीतियों में गरिमा के अनुरूप परिवर्तन करना ही चाहिए। वैसे, भारत की स्थिति अचानक नहीं सुधरी है। लगभग पंद्रह साल पहले भारत ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से 200 टन सोना खरीदा था। संकेत साफ है, आर्थिक उदारीकरण की नीति अब रंग ला रही है। सोने का भंडार किसी देश की आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। जरूरत के समय सोना ही मजबूती देता है या संकट से उबारता है। पहले दुनिया की तमाम अर्थव्यवस्थाएं स्वर्ण मानक को मानती थीं, पर 1970 के दशक में ज्यादातर देशों ने आधिकारिक तौर पर स्वर्ण मानक को छोड़ दिया। फिर भी दुनिया के सभी ताकतवर देशों के पास भारी मात्रा में सोना है। स्वर्ण भंडार के मामले में भारत 822.1 टन के साथ दुनिया में नौवें स्थान पर है और अमेरिका के पास सर्वाधिक 8,133 टन से ज्यादा सोना है। जर्मनी के पास 3,352 टन सोना है। उसके बाद इटली, फ्रांस, रूस, चीन (2,262 टन), स्विट्जरलैंड और जापान का स्थान है। समय के साथ सोने का भाव बढ़ता ही रहा है, बीस साल पहले जो सोना 6,307 रुपये का था, वही सोना आज 73,390 रुपये का हो गया है। जाहिर है, सोने की मांग नहीं घटने वाली, पर ज्यादा से ज्यादा भारतीयों को अपनी बुद्धि और श्रम से सोना खरीदने में सक्षम होना पड़ेगा, तभी देश के स्वर्ण भंडार की खनक-चमक बढ़ेगी।

अखिल भारत वर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद इंदौर मध्यप्रदेश की भव्यतम मीटिंग संपन्न हुई

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। अखिल भारत वर्षीय युवा परिषद् पारमार्थिक सेवाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्य की जानकारी दी गई । परिषद् के प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि प्रति माह निशुल्क डायलिसिस, दवाई वितरण, धार्मिक शिविर , धार्मिक यात्रा की शिक्षण सहयोग, इलाज की व्यवस्था, आवश्यक परिवार को राशन व्यवस्था, एवम बहुत सी जानकारी दी गई शिविर की अध्यक्षता श्री सुमत प्रकाश जी जैन, डा अनुपम जी जैन, राहुल जी अनिता जीजैन, कमलेश जी कासलीवाल जी ने की, मंगलाचरण चिंतन जी बाकीवला ने किया, नेतृत्व आदरणीय नितेश जी मोदी, मनीष जी जैन प्रॉपर्टी, संगीता पाटोदी, भुवंश जी जैन , संजय अहिंसा, चंद्रेश जी जैन गौरव जी जैन, डा सौम्य जी जैन एवम शिवांगी जी जैन मनीष जी जैसवाल जैन, ललित जी पाटनी, सुबोध मारोरा, गंगवाल जी, महेंद्र जी पहाड़िया, बड़जात्या जी, सोशल ग्रुप फेडरेशन राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश कल्पना जी विनायका जी, एवम बहुत से महत्वपूर्ण सदस्य मौजूद रहे सभा का संचालन इंदौर अध्यक्ष अर्पित जैन वाणी ने किया, आभार कोषाध्यक्ष जंबू जी शाह, नितेश मोदी जी ने व्यक्त किया।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से...

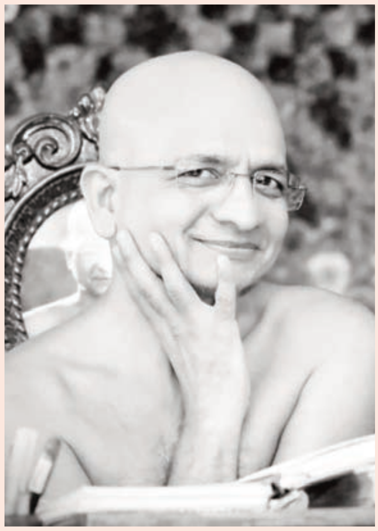

वो जाने कैसे, मुकद्दर की किताब लिख देता है..
साँसे गिनती की है, और ख़्वाहिशें बेहिसाब लिख देता है..!

जिन्दगी ऐसे भागे जा रही है जैसे हाथ से रेत। फिर भी हम जान बुझ कर अंधे बने हैं, आँखन बांधी पाटी। यदि हमारी आँख अब भी नहीं खुली तो फिर कब आँख खोलोगे- ? तुम्हारी आँखें हमेशा हमेशा के लिए बंद हो जाए, इससे पहले अपनी आँखों में, प्रभु नाम का काजल आंज लेना, धर्म ध्यान का काजल आंज लेना, आँखों में सत्कर्म का काजल आंज लेने की कला सीख लेना। छोटे बच्चे सुंदर होते हैं, लेकिन जब माँ उनकी आँखों में काजल आंज देती है, तो वह और भी अधिक सुंदर लगने लगते हैं। काजल अंजे सुंदर सलोने बच्चे को, हर आदमी गोद में लिए घूमता है। यदि तुमने भी अपनी आँखों में, प्रभु भक्ति का - गुरु भक्ति का काजल आंज लिया, तो फिर तुम्हें भी प्रभु गोद में लेकर घूमने लगे तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है। और जिसे प्रभु अपनी गोद में ले ले* उसे मृत्यु अपनी गोद में कभी नहीं सुला सकती है। जीवन उसका ही सुधरेगा, जो आँख बंद होने से पहले आँख खोल लेगा...। **-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

संस्कार शिविर में बच्चों को अष्टद्रव से पूजा करने की विशेषताएं बताई

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

अम्बाह, मुरैना । नगर में चल रहे विन्रम सागर एकेडमी संस्कार शिविर में वीतराग बालिका मंडल ने बच्चों को संबोधित करते हुए अष्टद्रव से पूजा करने के बारे में बताया। जल, चन्दन, अक्षत, पुष्प, नैवेद्य, दीप, धूप, फल यह आठ प्रकार का द्रव्य अष्टद्रव्य है जिससे पूजन करने का वर्णन जैनागम में है ।इससे अनेक सुख- सम्पत्तियों की प्राप्ति होती है। अर्हंत देव के चरणों में जलधारा देने से ज्ञानावरण और दर्शनावरण कर्मरूपी रज शांत हो जाती है। चन्दन से पूजा करने से सुगन्धित शरीर प्राप्त होता है। अक्षत से पूजा वैभव को अखण्डित करती है। पुष्प से पूजा करने वाले स्वर्ग में मंदार माला को प्राप्त करते हैं। नैवेद्य से पूजा करने से लक्ष्मी के स्वामी होते है। दीप से पूजा करने वाले कांति को विस्तृत करते हैं। धूप से पूजन करके उत्कृष्ट सौभाग्य को प्राप्त होते हैं। फल से पूजा करके इच्छित फल को प्राप्त कर लेते है और अर्घ्य से पूजा करके अभिमत वस्तुओं को प्राप्त कर लेते है। इसके सिवाय जिनपूजा का फल तो अचिन्त्य है। सम्यग्दृष्टि पूजक को मै पहले , मै पहले कहते हुए सभी सुख-सम्पत्तियां आकर घेर लेती है।

विजुअल आर्ट गैलरी इंडिया हैबिटेट सेंटर नई दिल्ली में नवागढ़ की विरासत

क्षेत्र के निर्देशक ब्र. जयकुमार निशान्त हुए शामिल, पुरातत्वविदों ने नवागढ़ के पुरावैभव को बताया ऐतिहासिक

ललितपुर. शाबाश इंडिया

पुरातात्विक शोध पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी विजुअल आर्ट गैलरी इंडिया हैबिटेट सेंटर लोधी रोड नई दिल्ली में आयोजित की गई है। श्वेत पिच्छाचार्य श्री विद्यानंद जी महाराज के जन्म शताब्दी महोत्सव के पावन अवसर पर निर्यापक आचार्य श्री श्रुतसागर महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं सानिध्य में यह प्रदर्शनी आयोजित की गई है ।जिसमें जैन धर्म के हड़प्पा सिंधु घाटी की सभ्यता से लेकर 12वीं सदी तक के मूर्ति कला शिल्प को प्रदर्शित किया गया है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रह्मचारी जयकुमार निशांत निदेशक प्रागैतिहासिक नवागढ़ अतिशय क्षेत्र ने किया। इस प्रदर्शनी का आयोजन पुरातत्वविद डॉ. बृजेश रावत लखनऊ व कुंद कुंद भारती के सहयोग से अजीत जैन एवं परिवार के द्वारा संपादित किया गया। इस प्रदर्शनी में देश-विदेश की विशेष मूर्तियों को प्रदर्शित किया गया। नवागढ़ के प्रचारमंत्री डॉ सुनील संचय ने बताया लोधी रोड नई दिल्ली में आयोजित पुरातात्विक शोध पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी विजुअल आर्ट गैलरी इंडिया हैबिटेट सेंटर में ललितपुर जनपद की महरौनी तहसील के सोजना के पास स्थित प्रागैतिहासिक तीर्थक्षेत्र नवागढ़ अतिशय क्षेत्र ललितपुर की मूलनायक अरनाथ भगवान एवं अकलंक निकलंक के छायाचित्रों को भी स्थान दिया गया। लोगों ने नवागढ़ के पुरातात्विक वैभव को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। नवागढ़ कमेटी के महामंत्री वीरचन्द्र जैन नेकौरा, अध्यक्ष एडवोकेट सनत जैन ने बताया कि इस मौके पर नवागढ़ क्षेत्र के निर्देशक ब्र. जय कुमार निशान्त भैया ने पुरातत्वविद ब्रजेश रावत, प्रोफेसर जय कुमार उपाध्ये को नवागढ़ विरासत सहित नवागढ़ का अन्य साहित्य भेंट किया। पुरातत्वविदों ने नवागढ़ की विरासत को ऐतिहासिक अमूल्य धरोहर बताया। ब्र. जयकुमार निशान्त ने बताया कि उक्त प्रदर्शनी में जैन धर्म की मूर्तियां उद्भव और विकास की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है जिसके अवलोकन के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुँच रहे हैं।

जैन धर्म के 13 वें तीर्थकर विमलनाथ भगवान का मनाया गर्भ कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया एवं लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर,मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, चंद्रवीर दिगंबर जैन मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के 13वें तीर्थंकर विमलनाथ भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए कहा कि कस्बे के चंद्रवीर दिगंबर जैन जिनालय में आज प्रातः श्रावकों द्वारा श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा, अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना करने के बाद नवदेवताओं की पूजा सहित, विभिन्न तीर्थंकरों की पूजा करने के बाद जैन धर्म के 13 वें तीर्थंकर विमलनाथ भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव का सामूहिक रूप से जयकारों के साथ अर्घ्य अर्पित कर सुख समृद्धि की कामना की गई। कार्यक्रम में महिला मंडल की मुन्ना अजमेरा एवं मैना झंडा ने संयुक्त रूप से बताया कि तीर्थंकर विमलनाथ वर्तमान युग (अवसर्पिणी) के तेरहवें जैन तीर्थंकर थे, भगवान विमलनाथ का इक्ष्वाकु वंश के काम्पिल्य में राजाकृत वर्मा एवं रानी श्यामा देवी के यहां हुआ था, कार्यक्रम में मंदिर समिति के संरक्षक चम्पालाल जैन, ओम प्रकाश बजाज, सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, सुरेश गंगवाल, अशोक कुमार जैन नला वाले ,सुनील गंगवाल ,पवन गंगवाल, बाबूलाल पहाड़िया, निक्की पहाड़िया ,सुनील बजाज, नरेंद्र झंडा, तथा राजाबाबू गोधा, एवं संतरा बजाज ,गीता नला,मुन्ना अजमेरा, मैना झंडा, मैंना नला, रेखा गंगवाल ,बरखा गंगवाल,शोभा पहाड़िया, व गुड़िया पहाड़िया सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

-राजाबाबू गोधा जैन महासभा मीडिया प्रवक्ता राजस्थान

दिगम्बर जैन महासमिति महिला इकाई सेक्टर -17 प्रताप नगर जयपुर की दीपा गोधा बनी अध्यक्ष

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन महासमिति महिला इकाई सेक्टर -17 प्रताप नगर जयपुर की श्रीमती दीपा गोधा को अध्यक्ष पद पर सर्व सम्मति से अध्यक्ष पद चयन किया गया है। दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमान सुरेन्द्र कुमार पाण्डया राजस्थान अचंल के अध्यक्ष अनिल जैन, महामंत्री महावीर जैन बाकलीवाल, महिला अंचल की अध्यक्षा श्रीमती शंकुतला बिंदायका, धार्मिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय चेयरमैन डॉ. बी.सी. जैन आदि पदाधिकारियों की उपस्थिति में धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर- 2024 के पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में दीपा गोधा का अध्यक्ष पद शपथ ग्रहण कराकर स्वागत किया। नव निर्वाचित अध्यक्ष ने कहा कि आगामी वर्ष में 100 नये सदस्य बनाने के साथ साप्ताहिक जैन पाठशाला का संचालन एवं सामाजिक धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करना हमारा लक्ष्य रहेगा।

जयपुर हाउस जैन मंदिर में हुआ मेडिटेशन गुरू उपाध्यायश्री का मंगल प्रवेश

आगरा. शाबाश इंडिया

एक जून को मेडिटेशन गुरू उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी महाराज एवं मुनिश्री विश्वसम्य सागर जी महाराज ससंघ आगरा के मोती कटरा स्थित श्री 1008 संभावनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर से हनुमान चौराहा आगरा कॉलेज,नालबंद चौराहा, जी जीआईसी ग्राउंड,कोठी मीना बाजार प्रतापनगर होते हुए बैण्ड बाजों के साथ मंगल विहार कर जयपुर हाउस स्थित टीचर्स कॉलोनी के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर पहुंचे। जहां भक्तों ने उपाध्यायश्री का पाद प्रक्षालन और मंगल आरती कर भव्य स्वागत किया और मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। मंगल अगवानी के बाद उपाध्यायसंघ ने मूलनायक भगवान शांतिनाथ की प्रतिमा के दर्शन किए। उपाध्याय श्री के मंगल प्रवेश में जयपुर हाउस की महिला मंडल अपने सिर पर मंगल कलश लेकर चल रही थी और पुरुष जैन ध्वज लेकर जयकारें लगाते हुए चल रहे थे उपाध्यायसंघ को जयपुर हाउस शैली में पाकर महिलाएं बालिकाएं एव पुरुष बड़े उत्साहित दिखे साय:7:00 बजे जयपुर हाउस जैन मंदिर में उपाध्यायसंघ की गुरुभक्ति आयोजित की गई। मीडिया प्रभारी शुभम-जैन ने बताया कि उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ का जयपुर हाउस जैन मन्दिर में मंगल प्रवास 5 जून तक रहेगो और उपाध्यायश्री के मंगल सानिध्य में 5 जून को जैन धर्म के 16 तीर्थंकर श्री भगवान शांतिनाथ का जन्म- तप- मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर श्रीजी शोभायात्रा एवं महा मस्तकाभिषेक महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मन्दिर के अध्यक्ष राकेश जैन परदेवांले,दीपक जैन,सुबोध जैन पाटनी,दीपाशू जैन,अजय जैन,राहुल जैन,पंकज जैन,अरविंद जैन,नीरज जैन,मनोज जैन,अमित जैन,शुभम जैन समस्त जयपुर हाउस जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। -रिपोर्ट शुभम जैन

।। श्री शान्तिनाथाय नमः।।

सेठ बन्जीलाल ठोलिया चैरिटी ट्रस्ट, जयपुर

द्वारा संचालित

सेठ बन्जीलाल ठोलिया धर्मशाला

अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहा है।

इस अवसर पर आयोजित समारोह में आप सादर आमंत्रित है।

अनुभवी चिकित्सकों द्वारा स्त्री रोग व अन्य सभी रोगों का इलाज एवं दवा वितरण, आँखों की जाँच, लैंस प्रत्यारोपण

निःशुल्क आयुर्वेदिक व नेत्र चिकित्सा शिविर

एवं

परिण्डा वितरण समारोह

सोमवार, दिनांक 3 जून, 2024

समय : प्रातः 9.15 बजे से दोपहर 11.15 बजे तक

स्थान : सेठ बन्जीलाल ठोलिया धर्मशाला, घीवालों का रास्ता, जयपुर

निवेदक

सेठ बन्जीलाल ठोलिया परिवारजन

धर्म जागृति संस्थान राजस्थान

राज्यस्तरीय अहिंसक आहार पोस्टर प्रतियोगिता का होगा आयोजन

24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के 2550 वे निर्वाण वर्ष में 24 होंगे पुरस्कार

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारत वर्षीय धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रांत की बैठक प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के अध्यक्षता में नारायण सिंह सर्किल जयपुर स्थित भट्टारक जी की नसिया में आयोजित कर राज्य स्तरीय अहिंसक आहार पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया गया। संस्थान के महामंत्री सुनील जैन पहाड़िया व कोषाध्यक्ष पंकज जैन लुहाड़िया ने बताया कि आचार्य श्री वसुंनंदी महाराज के आशीर्वाद एवं आर्यिका वर्धस्व नंदनी माता जी के निर्देशन में इस वर्ष को अहिंसक आहार वर्ष घोषित किया गया है।इस श्रृंखला के तहत धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रांत द्वारा अहिंसक आहार के प्रचार प्रसार हेतु राज्य स्तरीय अहिंसक आहार पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 11000 रुपए एवम द्वितीय पुरस्कार 5100 के साथ कुल 24 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। बैठक के दौरान धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री एवं इस आयोजन के समन्वयक संजय जैन बड़जात्या ने कहा कि यह वर्ष जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर के 2550 वें निर्वाण महोत्सव के रूप में आयोजित किया जा रहा है तो यह कार्यक्रम भी भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव वर्ष को समर्पित करते हुए 24 वें तीर्थंकर के उपलक्ष में 24 पुरस्कार वितरित किए जाएं जिस पर सभी ने सहमति प्रदान की। प्रेमचंद छाबड़ा बने मुख्य संयोजक बैठक में सर्वसम्मति से इंजीनियर प्रेमचंद छाबड़ा को प्रतियोगिता का मुख्य संयोजक नियुक्त किया गया और इसी के साथ राजस्थान में 24 संयोजक बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में आदिनाथ भगवान जन्म कल्याणक पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने एवं अल्पसंख्यक विभाग में जैन समुदाय को प्रतिनिधित्व देने की मांग करने का निर्णय भी लिया गया।सभा में सह कोषाध्यक्ष महेश जैन काला , महानगर मंत्री जीतू जैन गंगवाल व सोभाग जैन अजमेरा उपस्थित रहे ।

विद्याधर नगर जयपुर में जैन धार्मिक नैतिक शिक्षण शिविर से बच्चों में मजबूत हो रही संस्कारों की नीव

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री जैन रत्न युवक परिषद जयपुर के तत्वावधान में विद्याधर नगर जयपुर में बच्चों में जैन धर्म के धार्मिक नैतिक व संस्कारगत शिक्षण शिविर दिनांक 19 मई 2024 से 1 जून 2024 तक श्रीमती किरण गांधी के नेतृत्व में आयोजित हुआ । नैतिक व धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में रचनात्मक गतिविधियों को 6 शिक्षकों ने कला व निर्माण कार्य के जरिए संपन्न कराया ।इस शिविर में 35 बच्चों ने भाग लिया इस तरह के शिविर लगाकर विद्याधर नगर जयपुर के जैन समाज ने एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इस सराहनीय कार्य के लिए क्षेत्रीय संयोजक अखिल गांधी, राहुल मेहता, अरिहंत रांका और अभिषेक बागरेचा का विशेष योगदान रहा। समापन समारोह शिविर के अंतिम दिवस, दिनांक 1 जून 24 को आयोजित किया गया जिसमें आयोजकों ने सभी के सहयोग से बच्चों को प्रोत्साहन हेतु पारितोषिक वितरण का कार्यक्रम रखा। पारितोषिक वितरण विशिष्ट अतिथि सेक्टर 8 विकास मंच के अध्यक्ष डॉ सुधीर कुमार गर्ग व उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता के कर कमलों द्वारा किया गया। इस समारोह में श्री जैन श्रावक संघ विद्याधर नगर के पदाधिकारी जीतमल बागरेचा, चंद्र प्रकाश रांका, झूमर सिंह मेहता, महेंद्र कुमार गांधी व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बढ़ता तापमान एक समस्या

महावीर इंटरनेशनल दिलाएगा छुटकारा, वेबीनार मे कृषि वैज्ञानिक डा. जोशी ने दिए उपयोगी टिप्स

जयपुर. कासं। महावीर इंटरनेशनल द्वारा रात्रि चौपाल में महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत प्रोफेसर एवं कृषि वैज्ञानिक डा.नटवरलाल जोशी ने बढ़ता तापमान एक समस्याः महावीर इंटरनेशनल दिलाएगा छुटकारा विषयक वेबीनार को संबोधित किया। महावीर इंटरनेशनल के गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया ने बताया कि इस वेबिनार मे महावीर इंटरनेशनल परिवार के अलावा आमजन ने भी हिस्सा लिया। कोठिया ने बताया की वर्तमान मे बढ़ता तापमान वैश्विक समस्या है और उससे बचने का एक मात्र उपाय वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण है, आने वाले विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को हम क्या करें क्या न करे पर भी डा. जोशी विस्तृत जानकारी प्रदान की। डा . जोशी ने वृक्ष रोपण के लिए आदर्श माह अगस्त को बताया जब भूमि मे पर्याप्त आद्रता होती है तथा इस समय रोपे गए 60 प्रतिशत तक सरवाइव करते हैं। एम आई के पर्यावरण डॉयरेक्टर वीर रवि जैन के निर्देशन में आयोजित इस वेबिनार के मुख्य वक्ता डा. जोशी मूलतः कनबा डुंगरपुर के रहने वाले हैं। आयोजन मे अजीत कोठिया, पृथ्वी राज जैन, पुष्पक जैन, सुरेश गांधी, सी ए अनिल जैन, कल्पना दोशी, विनोद दोशी, विनोद चोरडिया सहित 62लोगो ने हिस्सा लिया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

नेट थियेट नाटक काउ और मंकी

'गाय और उसका दोस्त बंदर' का शानदार प्रदर्शन

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज नाद संस्था द्वारा जंगल में आयोजित ''जंगल का अच्छा नागरिक'' प्रतियोगिता पर आधारित नाटक 'गाय और उसका दोस्त बंदर' का प्रदर्शन ने पर्यावरण संरक्षण, पेड़ लगाने के फायदे, और पानी के महत्व पर जानवरों के माध्यम से संदेश देने का सार्थक प्रयास सफल रहा। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि मिहीजा शर्मा द्वारा लिखित कहानी और रंगकर्मी अनिल मारवाड़ी द्वारा निर्देशित इस नाटक की कहानी में जंगल में एक प्रतियोगिता होती है जिसमें 'अच्छे नागरिक' का खिताब जीतने के लिए गाय और बंदर फाइनल राउंड में पहुँचते हैं। बन्नू बंदर को लगता है कि गाय यह प्रतियोगिता जीत जाएगी, इसलिए वह गाय से दोस्ती कर उसे रास्ते से हटाने की योजना बनाता है। जब गाय नदी से पानी पी रही होती है, बंदर उसे नदी में धक्का देने की योजना बनाता है, लेकिन फिसलन की वजह से बंदर खुद ही नदी में गिर जाता है। अंत में, गाय बंदर को बचाती है। इस घटना से बंदर को अपनी गलती का एहसास होता है और वह शर्मिंदा होता है। और अंत में, गौरी गाय प्रतियोगिता जीत जाती है। नाद संस्था द्वारा यह नाटक ग्रीष्मकालीन बाल नाट्य शिविर में तैयार किया गया था, जिसमें बच्चों ने वरिष्ठ रंगकर्मी मनोज स्वामी के साथ मिलकर इसे प्रस्तुत किया। बच्चों ने इस नाटक का भरपूर आनंद लिया और वे मनोज स्वामी के साथ सहज महसूस करते हैं। इस नाटक में रंगमंच के वरिष्ठ रंगकर्मी राजेंद्र शर्मा राजू के साथ अभिनय करने का मौका मिला। बाल कलाकार के रूप में जीवितेश शर्मा, मिहिजा, पीहू कवितेश, अवनि और सागर विनोद गढ़वाल ने अपने अभिनय से जंगल के जानवरों के विभिन्न पात्रों जीवंतता से जी कर अपने अभिनय की छाप से दर्शकों को अपना मुरीद बना लिया। नाटक में मास्क निर्माण का कार्य बच्चों ने धृति शर्मा के निर्देशन में बनाये। प्रकाश ० संगीत सागर गढ़वाल तथा मंच निर्माण अंकित शर्मा नोनू ० रेनू सनाढ्य का रहा। इस नाटक ने बच्चों को दोस्ती, ईमानदारी और परोपकार के महत्त्वपूर्ण पाठ सिखाए। सभी दर्शकों ने इस नाटक की खूब सराहना की और बच्चों की प्रस्तुतियों को बहुत पसंद किया।

न्यायालय परिसर में की छाछ व लस्सी वितरित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। अत्यधिक गर्मी से वकीलों व आम पक्षकारों को राहत दिलाने के लिए शनिवार को वकीलों ने न्यायालय परिसर में ठंडी छाछ व लस्सी वितरित की। एडवोकेट राजेश सुकरिया के सहयोग से वकीलों ने भोजनावकाश के बाद वकीलों एवं आम पक्षकारों को ठंडी छाछ व लस्सी के पाउच वितरित किए। इस अवसर पर सौरभ सेठी, निहालचन्द जैन, नरेश चंद्र टांक, संदीप अग्रवाल, सुखदेव चौधरी, रविंद्र शर्मा, नवाब कुरैशी, ललित नारायण मेहरा, राजेश गोमा सहित काफी संख्या में वकील उपस्थित थे।

हमें क्यों बेवकूफ बनाया जा रहा है? सावधान

1. पहले हम दस रुपये किलो टमाटर खरीद कर ताजी चटनी खाते थे। अब हम 150 रुपये किलो का दो महीने पुराना टोमैटो सॉस खाते हैं।
2. पहले हम एक दिन पुराना पानी भी नहीं पीते थे ,आजकल हम 20 रुपये वाली तीन महीने पुरानी बोतल पीते हैं।
3. पहले हम सुबह शाम ताज़ा दूध पीते थे। आजकल हम पांच दिन पुराना थैली वाला दूध amu ताज़ा के नाम से पीते हैं।
4. पहले हम ताज़ा जूस पीते थे अब हम 6 महीने पुराना artifical जूस real के नाम से पीते हैं.
5. पहले हम ताज़ा जलजीरा पीते थे अब हम दो महीने पुराना कोल्ड ड्रिंक 60 रुपये लीटर में पीते हैं।
6. 500 या 700 किलो वाले काजू बादाम जो शरीर की immunity बढ़ाते हैं वह हमें महंगा लगता है लेकिन 400 वाला सड़े हुए मैदे से बना पिज़ा हमको सस्ता लगता है
7 . पहले हम सुबह का बना हुआ खाना शाम को भी नही खाते थे और अब हम कंपनियो की बनी बासी चीजे बड़े चाव से खाते हैं जबकि हम जानते हैं कि कंपनियों द्वारा बनी हुई रेडीमेड चीजों में कई तरह के केमिकल्स preservatives के खूबसूरत नाम के तले मिलाये जाते हैं ।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।

श्रमण संस्कार शिक्षण शिविर के भव्य समापन समारोह में शिविरार्थियो का उमड़ा सैलाब

चित्रकूट, जनकपुरी व विवेक विहार को मिला श्रेष्ठ मन्दिर का पुरस्कार

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान द्वारा संचालित संत सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय एवं अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महासमिति द्वारा श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति के सहयोग से शहर के 46 दिगम्बर जैन मंदिरों में गत 15 मई से चल रहे 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन श्रमण संस्कार शिक्षण शिविरों का भव्य सामूहिक समापन समारोह शनिवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। प्रचार प्रसार संयोजक पदम जैन बिलाला ने बताया कि समारोह दीप प्रज्वलन और विदुषियों द्वारा मंगलाचरण के साथ प्रारंभ हुआ। अतिथि सांसद प्रत्याशी मंजु शर्मा, समाजसेविका सुशीला पाटनी , ममता सौगानी, समाजश्रेष्ठी नन्दकिशोर पहाड़िया, तरुण काला, रचना मोदी सभी का संस्थान के अध्यक्ष एस के जैन, प्रमोद पहाड़िया, पं. शीतल चन्द जैन, दर्शन जैन , उत्तम चंद पाटनी एव अन्य पदाधिकारियों द्वारा सम्मान एवं अभिनंदन किया गया । इसके बाद आचार्य विद्या सागर जी द्वारा किए गए उपकारों की लघु नाटिका विवेक विहार द्वारा बहुत ही सुंदर

तरीके से प्रस्तुत की गई। विद्वानों व विदुषियों के सम्मान के समय सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। महाविद्यालय अधिष्ठात्री शीला डोड्या ने बताया कि विषयों में से प्रत्येक विषय में प्रथम स्थान प्राप्त कर्ता को रत्नाकर एवार्ड दिया गया । साथ ही जयपुर के 46 मंदिरों में पढ़ाये गये विषयों में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को एवम् चयनित श्रेष्ठ तीन मंदिरों को सम्मानित किया गया जिसमे चित्रकूट सांगानेर, जनकपुरी ज्योतिनगर व विवेक विहार जैन मंदिर को विद्यार्थियों की संख्या व व्यवस्थाओं के लिए बेस्ट मन्दिर का एवार्ड प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि चित्रकूट व जनकपुरी ने लगातार दूसरे वर्ष यह एवार्ड प्राप्त किया है। प्रचार प्रसार संयोजक पदम जैन बिलाला ने बताया कि ग्यारह विद्यार्थियों ने रत्नाकर एवार्ड जीता जिसमे प्रमाण पत्र ट्रॉफी व रू 2100/- नगद पुरस्कार दिया जाता है ।रत्नाकर पुरस्कार बाल बोध मौखिक में दक्ष जैन विवेक विहार मंदिर से ,बाल बोध प्रथम में आरोही जैन अंबाबाड़ी मंदिर से बाल बोध द्वितीय में अध्यान्श जैन महारानी फार्म गायत्री नगर से सिद्धांत प्रवेशिका भाग 2 में आकांक्षा जैन जनकपुरी इमली फाटक ,द्रव्य संग्रह में खुशबू जैन आंनद गार्डन बज की नसियां से, छहढाला में मनीष जैन हरी मार्ग सिविल लाइंस से, इष्टोपदेश में दीपिका जैन बिलाला जनकपुरी इमली फाटक से,भक्तामर में कुमारी तनिषा जैन जोहरी बाजार में ,तत्त्वार्थ सूत्र में गौरव जैन सेक्टर 10 मालवीय नगर से ,रत्नकरण्डक श्रावकाचार में यामिनी गोधा केसर चौराहा से ,पद्म पुराण में सुनीता जैन चित्रकूट कॉलोनी सांगानेर वाले को मिला। इधर धार्मिक मंत्री विनीता जैन का सुंदर व्यवस्थाओं के लिए सम्मान किया गया । मंच संचालन डॉ वन्दना जैन एवं शालिनी बाकलीवाल ने किया।